रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2180] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 21, 2014/आश्विन 29, 1936
No. 2180] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 21, 2014/ASVINA 29, 1936

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अक्तूबर, 2014

का.आ. 2730(अ).—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, ; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने में हितबद्ध है, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सीजीओ काम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 या ई-मेल पते: esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकेगा ।

प्रारूप अधिसूचना

मेग्रोव वन्य प्रभाग (वन्य जीव) राजनगर तीन संरक्षित क्षेत्रों अर्थात् वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 29 के अधीन वर्ष 1975 में अधिसूचित भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 35 की उपधारा (4) के अधीन वर्ष 1998 में अधिसूचित भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 26 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन वर्ष 1997 में अंतिम रूप से अधिसूचित गहिरमाथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण से घिरा हुआ है ।

और, भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान की सीमा भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण के भीतर है, भीतरकनिका अभ्यारण की पूर्वी सीमा के साथ संलग्न है । अतः, इस प्रभाग का संरक्षित क्षेत्र से लगी हुई भूमि और जल निकाय, जिसे इस संरक्षित क्षेत्र के लिए पारिस्थितिकीय संवेदी जोन की पहचान के लिए एक इकाई के रूप में माना जाएगा ।

और, संरक्षित क्षेत्र ज्वारनदमुख है, समुद्री परिस्थितिकीय प्रणाली उच्च उत्पादित पारिस्थितिकीय प्रणाली है । समृद्ध जैव विविधता अकशेरुकी जैसे प्रोटोजोआ - 2 प्रजातियां, सीलन्टरेटा-3 प्रजातियां, मोलुस्का -7 प्रजातियां, ऐनेलिडा- 34 प्रजातियां, आर्थ्रोपोडा-15 प्रजातियां और वेरतेब्रेटस जैसे फिश 20 प्रजातियां, एमफीबियनंस-5 प्रजातिया और सरीसृप-42 प्रजातियां, 280 प्रजातियों से अधिक पक्षी, केटासीएंस सम्मिलित 28 स्तनपायी प्रजातियों के जिसके अंतर्गत सिटेसियाई भी है, की पहचान की जा सकती है । राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में मेग्रोव जैव विविधता उच्चतम एक है ; मेग्रोव की 71 प्रजातियां है जो कि पहचान किए गए वर्गीकरण से सहबद्ध हैं ।

और भीतरकनिका क्षेत्र में खाडी के मगरों की बृहतम प्राकृतिक जनसंख्या निवास करती है और यह सरीसृप विविधता के लिए जानी जाती है । यह एशिया में ही बगुलों की बृहतम संख्या भी है, जो कि वर्षा ऋतु के दौरान की एक वार्षिक क्रियाकलाप है । राष्ट्रीय उद्यान में प्रत्येक वर्ष शीत ऋतु के प्रवासी आते हैं इनकी संख्या पचास हजार से अधिक है ।

और भीतरकनिका ओडिशा राज्य में दूसरा रामसर स्थल है जो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की आर्द्र भूमि है और गाहिरमथा समुद्री वन्य जीव अभ्यारण ओलिव रिडले समुद्री कूर्मा का सामूहिक आवास के लिए सार्वभौमिक रूप से ज्ञात है । इस संरक्षित क्षेत्र में प्राणिजात और वनस्पति जगत की विभिन्न संकटापन्न प्रजातियां वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में सूचीबद्ध हैं और प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ की लाल आंकड़ें पुस्तिका में सूचीबद्ध हैं, उपलब्ध हैं ।

और पारिस्थितिकीय और पर्यावरणीय दृष्टि से भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण और गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण के संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 2 किलोमीटर के क्षेत्र को संरक्षित और सुरक्षित करना आवश्यक है ।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उड़ीसा राज्य में भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण के संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 2 किलोमीटर तक के क्षेत्र को पारिस्थितिक संवेदी जोन के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :--

1. **पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं**--(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन की 446.40 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र के अंतर्गत उड़ीसा के केंद्रपाडा जिले में स्थित भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण की संरक्षित क्षेत्र की सीमा से शून्य से दो क़िलोमीटर तक की चौड़ाई में परिवर्तित पारिस्थितिक संवेदी जोन होगा ।

(2) पारिस्थितिक संवेदी जोन, पूर्व की ओर 20^0 43'15.5''उत्तर अक्षांश और 87^0 18'32.9''पूर्व देशान्तर ; पश्चिम दक्षिण की ओर 20^0 29'13.8''उत्तर अक्षांश तथा 86^0 39'58.1''पूर्व देशान्तर ; उत्तर की ओर 20^0 48'21.6''उत्तर अक्षांश और $86^0$56'37.1''पूर्व देशान्तर और दक्षिण की ओर $20^0$16'35.6''उत्तर अक्षांश तथा 86^0 56'23.7''पूर्व देशान्तर से घिरा हुआ है ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा का मानचित्र इस अधिसूचना से उपाबद्ध अंतिम और विस्तारित अक्षांश और देशान्तर के साथ **उपाबंध 1** के रूप में है ।

(4) भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण के भीतर आने वाले ग्रामों की सूची इस अधिसूचना से उपाबद्ध प्रमुख बिन्दुओं के साथ उनके अक्षांश और देशान्तर के साथ **उपाबंध 2** में है ।

(5) उपाबंध 2 ग्रामों की सूची जोनल महायोजना तैयार करते समय राज्य सरकार द्वारा और संशोधित तथा पुष्टि होने के अधीन होगी ।

2. **पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना**--(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी प्रबंधन के प्रयोजन के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के विचार और अनुमोदन के लिए स्थानीय व्यक्तियों और निम्नलिखित संबद्ध विभागों के परामर्श से आंचलिक महायोजना तैयार करेगी, अर्थात् :-

(i) वन, पर्यावरण और वन्य जीव प्रबंध ;

(ii) ओडिशा पुलिस ;

(iii) शहरी और आवास विकास ;

(iv) पर्यटन ;

(v) ग्रामीण प्रबंध और विकास ;

(vi) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण ;

(vii) लोक निर्माण विभाग ;

(viii) भू-राजस्व ; और

(ix) आपदा प्रबंध ।

(2) आंचलिक महायोजना में निम्नीकृत **क्षेत्रों के** पुनरुद्धार, विद्यमान जलाशयों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरण प्रबंधन, भू-जल प्रबंधन, मृदा और आर्द्रता संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी व पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलूओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(3) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान और प्रस्तावित शहरी बस्तियों, ग्रामीण बस्तियों, वनों के किस्म और प्रकार, कृषि क्षेत्र, उद्यान-कृषि क्षेत्र, झीलों, अन्य जल निकायों और उनसे निकटवर्ती इकाइयों का अभ्यंकन करेगा ।

(4) आंचलिक महायोजना में पैरा 4 में विनिर्दिष्ट सारणी के स्तंभ (2) के अधीन क्रियाकलापों के विनियमन के लिए, केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा मानदंडों को विनिर्दिष्ट कर सकेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना, प्रादेशिक विकास योजना के सहलक्षीय तैयार किया जाएगा ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय**-- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात् : --

(1) **भू-उपयोग**-- पारिस्थितिकीय संवेदी जोन में आमोद-प्रमोद के प्रयोजन के लिए अभिनिश्चित किए गए हैं वनों, उद्यान-कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक और औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए भू-उपयोग में संपरिवर्तन अनुज्ञेय नहीं होगा :

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि योग्य भूमि का संपरिवर्तन, राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति (रा.स्त.पा.सं.जो.मा.स.) की सिफारिश पर, और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए और पैरा 4 की सारणी के स्तंभ (2) के अधीन विनिर्दिष्ट मद सं0 12, सं0 25, सं0 26, सं0 30 और सं0 31 में सूचीबद्ध क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होगा, अर्थात् :-

(i) वर्षा जल संचय,

(ii) कुटीर उद्योग, जिसके अंतर्गत ग्रामीण शिल्पकार आदि भी हैं,

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग,

(iv) पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाएं, जैसे गृह ठहराव, रज्जुमार्ग किओस, रज्जुरेल इत्यादि,

(v) सुरक्षा बलों के कैंप

परंतु यह और कि राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन और तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, के बिना विकास क्रियाकलापों से संबंधित वाणिज्यिक या उद्योग के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुपालन के बिना उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा :

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकीय संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई त्रुटि राज्य स्तरीय पारिस्थिकीय संवेदी जोन मानीटरी समिति (रा.पा.सं.जो.मा.स.) के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में केवल एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को सूचना देनी होगी ।

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि का संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा ।

(2) **प्राकृतिक जलस्त्रोत**--सभी जलस्त्रोतों के आवाह क्षेत्र की पहचान की जाएगी और उनमें से जो अपनी प्राकृतिक संरचना में सूख रहे हैं, उनके संरक्षण तथा पुनरुद्भूतकरण की योजना आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएगी और उन क्षेत्रों में या उनके निकटवर्ती क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध करने के लिए कठोर मार्गदर्शक सिद्धांत बनाए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन**--पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप, जिसमें आंचलिक महायोजना का भाग रूप निम्नलिखित रूप में होंगे, अर्थात् :--

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी केंद्रीय मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा तथा पारिस्थितिक पर्यटन, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास को महत्व दिया जाएगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन पर आधारित होगा ।

(ii) पारिस्थितिक संवेदी जोन में किसी प्रकार के नए संनिर्माण सारणी के पैरा 4 के स्तंभ (2) के अधीन पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाएं जैसे गृह ठहराव, रज्जुमार्ग, किओस, रज्जुरेल इत्यादि और उससे संबंधित मद सं0 30 में विनिर्दिष्ट क्रियाकलापों के सिवाय अनुज्ञात नहीं होंगे ;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विकास और विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकारियों द्वारा अनुज्ञात किया होगा ;

(4) **नैसर्गिक विरासत**- पारिस्थितिक संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में सम्मिलित किया जाएगा ; सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातो आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें संरक्षित किया जाएगा और उनकी संरक्षा और संरक्षा के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर उपयुक्त योजना बनाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगा ।

(5) **ध्वनि प्रदूषण** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में, ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए पर्यावरण विभाग या ओडिशा राज्य का वन विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(6) **वायु प्रदूषण** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए पर्यावरण विभाग या वन विभाग, ओडिशा राज्य, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981(1981 का 14) के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(7) **बहिस्रावों का निस्सारण :**-- पारिस्थितिक संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव जल का निस्सारण जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) के उपबंधों के अनुसार होगा ।

(8) **ठोस अपशिष्ट :**-- ठोस अपशिष्टों का निपटान निम्नलिखित रूप में होगा -

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 908(अ) तारीख 25 सितंबर, 2000 द्वारा प्रकाशित नगरपालिक ठोस अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

(ii) स्थानीय प्राधिकरण जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्कन के लिए योजनाएं तैयार करेंगे ;

(iii) जैव निम्नीकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा ;

(iv) अकार्बनिक सामग्री का निपटान किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा ।

(9) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.आ.630 (अ) तारीख 20 जुलाई, 1998 में प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 1998 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(10) **यानिक यातायात परिवहन** - परिवहन की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध अधिकथित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुमोदित होने तक, राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय गतिविधियों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

4. **पारिस्थितिक संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों की सूची** - पारिस्थितिक संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उपबंधों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :--

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	प्रतिषिद्ध	विनियमित	अनुज्ञा प्राप्त	टिप्पणी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर की खदान और उनको तोड़ने की इकाइयां	हां	-	-	(क) वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं के सिवाय सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनको तोड़ने की इकाइयां प्रतिषेध है ; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट याचिका (सी) सं. 1995 का 202 टी.एन. गोडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4.8.2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21.04.2014 के आदेश के अनुसरण में सर्वदा प्रचालन होगा ।
2.	वृक्षों की कटाई	-	हां	-	(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं की जाएगी ; (ख) संबंधित केन्द्रीय अधिनियम या राज्य अधिनियम और उनके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार वृक्षों की कटाई विनियमित की जाएगी ।
3.	आरा मशीनों की स्थापना ।	हां	-	-	
4.	जल या वायु या मृदा या ध्वनि प्रदूषण के कारण उद्योगों की स्थापना करना ।	हां	-	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन में नए या विद्यमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
5.	वाणिज्यिक होटल और सैरगाह की स्थापना करना ।	-	हां	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन में कोई नए या विद्यमान वाणिज्यिक स्थापनों का विस्तार जैसे होटल और सैरगाह अनुज्ञात नहीं होंगे ।
6.	जलाने के लिए उपयुक्त लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग ।	हां	-	-	
7.	वाणिज्यिक जल संसाधन जिसके अंतर्गत भूजल संचयन भी है ।	-	हां	-	(क) भूमि के अधिभोगी के वास्तविक कृषि और घरेलू खपत के लिए जल का निष्कर्षण (सतही और भूमिगत जल) अनुज्ञात होगा ; (ख) औद्योगिक या वाणिज्यिक उपयोग के लिए सतही और भूमिगत जल का निष्कर्षण, जिसके अंतर्गत निष्कर्षण किए जा सकने वाले जल की मात्रा भी है, के लिए संबंधित विनियामक प्राधिकरण की पूर्व लिखित अनुमति अपेक्षित होगी ; (ग) सतही या भूजल का कोई विक्रय अनुज्ञात नहीं होगा ; (घ) जल के संदूषण या प्रदूषण, जिसके अंतर्गत कृषि भी है, को रोकने के सभी उपाय किए जाएंगे ।
8.	नए वृहत जल विद्युत परियोजना का स्थापना	हां	-	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन में नए जल विद्युत परियोजना संयंत्रों (बांध, सुरंग बनाने और जलाशय के संनिर्माण) की स्थापना और विद्यमान संयंत्रों के विस्तार के

					सिवाय सूक्ष्म जल विद्युत परियोजनाओं (100 किलोवाट तक) या लघु विद्युत परियोजनाओं (101 किलोवाट से 2000 किलोवाट तक), जो स्थानीय समुदायों की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, संबंधित ग्राम सभा और अन्य आवश्यक अनापत्तियों के अध्यधीन रहते हुए प्रतिषिद्ध होगी ।
9.	बिजली के तारों और दूर संचार टावरों का परिनिर्माण ।	-	हां	-	भूमिगत केबिलिंग को बढ़ावा देना ।
10.	स्थानीय समुदायों द्वारा प्रचलित कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ पशुपालन, पशुपालन कृषि, जल कृषि और मछली पालन	-	-	हां	
11.	वर्षा जल संचयन	-	-	हां	सक्रिय रूप से बढ़ावा देना होगा ।
12.	होटलों तथा विश्रामालयों के विद्यमान परिसरों की बाड़ लगाना	-	हां	-	
13.	जैविक खेती	-	-	हां	राक्रिय रूप से बढ़ावा देना होगा ।
14.	प्लास्टिक के थैलों का उपयोग	हां	-	-	
15.	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग	-	-	हां	सक्रिय रूप से बढ़ावा देना होगा ।
16.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ करना तथा नई सड़कों का रांनिर्माण	-	हां	-	उचित पर्यावरण समाघात निर्धारण और अवशमन के लागू होने वाले उपायों के अनुसार करना होगा ।
17.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन	-	हां	-	वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए ।
18.	विदेशी प्रजातियों का प्रवेश	-	हां	-	
19.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का उपयोग या उत्पादन	हां	-	-	
20.	पर्यटन संबंधी क्रियाकलापों जैसे वन्य-जीव अभ्यारण क्षेत्र के ऊपर गर्म हवा के गुब्बारों द्वारा उड़ान भरना, आदि करना।	हां	-	-	
21.	पहाड़ी ढालों और नदी के किनारों का संरक्षण	-	हां	-	
22.	प्राकृतिक जल-	हां	-	-	

	निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्स्राव और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण				
23.	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग	-	हां	-	
24.	सभी क्रियाकलापों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना	-	-	हां	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाए ।
25.	पादप बाड़			हां	
26.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्स्राव और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण	हां	-	-	
27.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर आदि भी हैं	-	-	हां	
28.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग	-	हां	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन से गैर प्रदूषण, गैर परिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्पकृषि, उद्यानकृषि या कृषि आधारित देशीय माल से औद्योगिक उत्पादों का उत्पादन उद्योग और जो पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालते हैं ।
29.	नई लकड़ी आधारित उद्योग	हां	-	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमाओं के भीतर नई लकड़ी पर आधारित उद्योगों की स्थापना तुरंत प्रभाव से अनुज्ञात नहीं होगी ।
30.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों (एनटीएफपी) का संग्रहण	-	हां	-	
31.	संनिर्माण क्रियाकलाप	हां	-	-	पारिस्थितिक संवेदी जोन में सिवाय, स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं, जिसके अंतर्गत मद संख्या 11, मद संख्या 25, मद संख्या 30 और मद संख्या 31 में सूचीबद्ध क्रियाकलाप भी हैं, के तत्काल प्रभाव से किसी प्रकार का नया संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा । मद संख्या 26 में सूचीबद्ध क्रियाकलाप के मामले में संनिर्माण क्रियाकलापों को विनियमित करते हुए उन्हें न्यूनतम स्तर पर रखा जाएगा ।
32.	पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाएं जैसे गृह ठहराव, रज्जुमार्ग, किओस, रज्जुरेल इत्यादि	-	हां	-	
33.	सुरक्षा बल कैंप	-	हां	-	

5. **राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति**- (1) केंद्रीय सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी मानीटरी के लिए ओडिशा राज्य के लिए एक समिति का गठन करेगी जिसका नाम राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति (राश्तपासंजोमास), जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

(i) मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार - अध्यक्ष ;

(ii) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का प्रतिनिधि - सदस्य ;

(iii) मुख्य वन्यजीव वार्डन, ओडिशा सरकार - सदस्य ;

(iv) सदस्य-सचिव, ओडिशा राज्य, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - सदस्य ;

(v) पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों का ओडिशा राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट एक प्रतिनिधि - सदस्य ;

(vi) सचिव, पर्यावरण और वन ओडिशा सरकार - सदस्य ;

(vii) सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन (रा.और आ.प्र.) ओडिशा सरकार - सदस्य ;

(viii) सचिव, कृषि विभाग, ओडिशा सरकार - सदस्य ;

(ix) सचिव, आवास और नगरीय विकास विभाग, ओडिशा सरकार - सदस्य ;

(x) केन्द्रपाडा और भद्रक से संबद्ध जिला कलेक्टर - सदस्य ;

(xi) संबद्ध प्रभागीय वन अधिकारी, भद्रक और राजनगर पर्यावरण और वन्य जीव प्रभाग - सदस्य ;

(xii) निदेशक, पर्यावरण विभाग, ओडिशा सरकार - सदस्य सचिव ।

(2) राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण निकासी के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी ।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 3 के अधीन सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा ।

(5) राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध कलेक्टर या संबद्ध उद्यान का प्रभारी ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा ।

(6) राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति मुद्दों के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति उक्त वर्ष की 30 जून तक प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक की केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट उपाबंध 3 में दिए गए रूप विधान के अनुसार प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह ठीक समझे ।

6. माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण (रा.ह.अ) द्वारा पारित या पारित होने वाले कोई आदेशों, यदि कोई हों, के अधीन रहते हुए इस अधिसूचना के उपबंध होंगे ।

उपाबंध-1

भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण, गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण के चारो और पारिस्थितिक संवेदी जोन सीमा के मानचित्र को दर्शित करने वाले अंतिम और विरस्तारित अक्षांश और देशान्तर ।

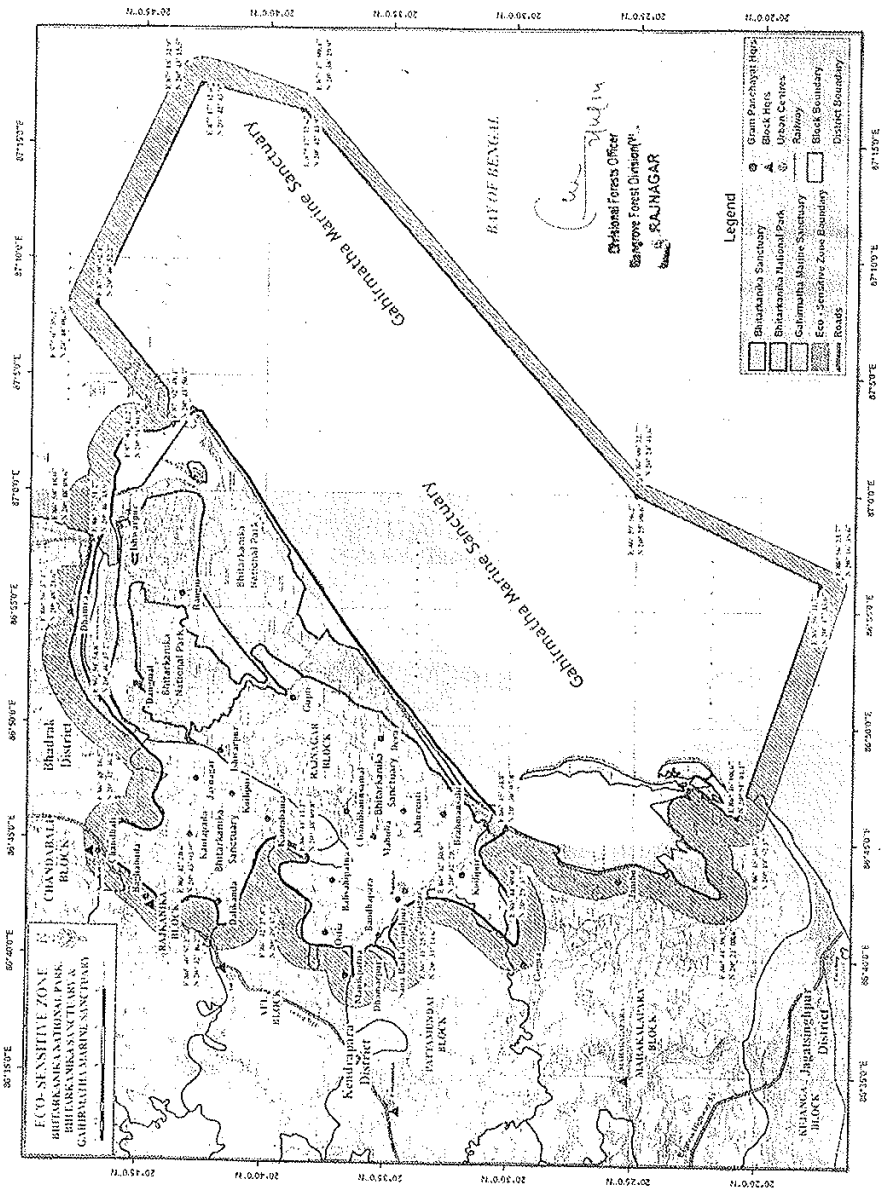

4213 GI/14—2

उपाबंध-2

भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण, भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और गाहिरमथा (समुद्री) वन्य जीव अभ्यारण, ओडिशा के प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर आने वाले ग्रामों की सूची

1. भद्रक जिला

क्रम सं.	ग्राम का नाम	अक्षांश	देशान्तर
1.	अम्बीलिगन	उ- 20° 46' 7.095'	द- 86° 46' 26.644'
2.	बादहरीपुर	उ- 20° 47' 40.15'	द- 86° 45' 58.15'
3.	बदोस्तिया	उ- 20° 48' 34.57'	द- 86° 44' 20.81'
4.	बघांता	उ- 20° 46' 11.825'	द- 86° 48' 56.636'
5.	बालिगन	उ- 20° 47' 29.92'	द- 86° 44' 02.70'
6.	बारेपुर	उ- 20° 47' 25.30'	द- 86° 44' 43.50'
7.	बेतलपुर	उ- 20° 45' 14.785'	द- 86° 46' 46.075'
8.	बिद्युतप्रवा	उ- 20° 48' 18.417'	द- 86° 55. 49.076'
9.	बिनातारो	उ- 20° 46' 24.76'	द- 86° 43' 26.45'
10.	चंदाबाली	उ- 20° 45' 50.888'	द- 86° 43' 16.758'
11.	चारादिया	उ- 20° 47' 47.500'	द- 86° 50.45.409'
12.	कोकोनेट आइसलैंड	उ- 20° 50' 14.76'	द- 86° 57' 35.67'
13.	दक्षिणाधामरा	उ- 20° 47' 49.911'	द- 86° 53. 45.680'
14.	ध्रूबापाहलीपुर	उ- 20° 46' 32.347'	द- 86° 49' 37.742'
15.	दुर्गापुर	उ- 20° 45' 26.265'	द- 86° 48' 10.728'
16.	गोलादिया	उ- 20° 46' 18.85'	द- 86° 42' 54.81'
17.	हरीशपुर	उ- 20° 48' 26.239'	द- 86° 51.51.918'
18.	जगुला	उ- 20° 48' 37.701'	द- 86° 53. 54.118'
19.	जयादुर्गापाटना	उ- 20° 47' 48.825'	द- 86° 55. 22.472'
20.	झारकाटा	उ- 20° 48' 28.566'	द- 86° 53. 2.095'
21.	ज्योसनामाई	उ- 20° 47' 47.705'	द- 86° 56. 6.029'
22.	कनकपाली	उ- 20° 48' 18.314'	द- 86° 52. 43.953'
23.	कांदागारदी	उ- 20° 47' 19.26'	द- 86° 49. 05.75'
24.	कांधा	उ- 20° 44' 46.273'	द- 86° 45' 54.109'

25.	करतुरिकाना	उ- 20° 45' 25.172'	द- 86° 48' 50.645'
26.	कौदियपाल	उ- 20° 44' 46.385'	द- 86° 47' 19.981'
27.	खामार्शी	उ- 20° 55' 24.80'	द- 86° 52. 06.42'
28.	कुल्ही	उ- 20° 46' 02.20'	द- 86° 42' 32.18'
29.	नरसिंहपुर	उ- 20° 48' 20.630'	द- 86° 53' 45.659'
30.	नयाहत	उ- 20° 47' 57.60'	द- 86° 44' 52.53'
31.	नेदुली	उ- 20° 46' 58.29'	द- 86° 49' 14.76'
32.	ओरासाही	उ- 20° 46' 58.29'	द- 86° 49' 14.76'
33.	पहलादपुर	उ- 20° 46' 22.777'	द- 86° 43' 37.264'
34.	पैकरापुर	उ- 20° 47' 32.40'	द- 86° 46' 27.53'
35.	पैकासाही	उ- 20° 48' 5.855'	द- 86° 54. 12.288'
36.	पंचुपादा	उ- 20° 47' 47.36'	द- 86° 45' 28.73'
37.	पातुली	उ- 20° 46' 46.694'	द- 86° 43' 52.948'
38.	पोखारीसाही	उ- 20° 45' 36.336'	द- 86° 45' 56.450'
39.	राजाराजेस्वरपाली	उ- 20° 48' 2.347'	द- 86° 51. 51.940'
40.	राजेन्द्रपाली	उ- 20° 47' 32.735'	द- 86° 51.14.461'
41.	सोमपुर	उ- 20° 47' 29.02'	द- 86° 45' 49.08'
42.	सनाहारीपुर	उ- 20° 46' 25.259'	द- 86° 45' 57.585'
43.	सिमुलिया	उ- 20° 37' 49.253'	द- 86° 39' 44.932'
44.	चंदाबाली	उ- 20° 46' 16.97'	द- 86° 44' 15.00'
45.	धामारा	उ- 20° 47' 43.14'	द- 86° 53' 47.97'

2. केंद्रपाडा जिला

क्रम सं.	ग्राम का नाम	अक्षांश	देशान्तर
1.	अच्युतापुर	उ- 20° 43' 12.529'	ई- 86° 41' 11.285'
2.	अचिन्ता	उ- 20° 44' 35.648'	ई- 86° 41' 47.397'
3.	अधादेयुनरिया	उ- 20° 33' 31.024'	ई- 86° 40' 3.620'
4.	अधाजोरी	उ- 20° 34' 23.243'	ई- 86° 39' 4.310'
5.	अलाकाना	उ- 20° 40' 34.324'	ई- 86° 40' 37.760'

6.	अंधारुआ	उ- 20° 33' 37.739'	ई- 86° 39' 6.830'
7.	अरेहीकाना	उ- 20° 37' 41.021'	ई- 86° 39' 17.376'
8.	अशोक दिया	उ- 20° 45' 0.085'	ई- 86° 47' 59.876'
9.	अताला	उ- 20° 39' 5.620'	ई- 86° 40' 58.496'
10.	बावरा	उ- 20° 29' 35.653'	ई- 86° 39' 27.004'
11.	बदागारा	उ- 20° 44' 12.064'	ई- 86° 42' 53.418'
12.	बदाजोरामुहन	उ- 20° 41' 59.705'	ई- 86° 41' 5.389'
13.	बदामबिला	उ- 20° 38' 49.620'	ई- 86° 40' 19.851'
14.	बदान्को	उ- 20° 40' 36.654'	ई- 86° 41' 6.769'
15.	बदापाल	उ- 20° 30' 22.325'	ई- 86° 41' 20.409'
16.	बदातैला	उ- 20° 44' 53.918'	ई- 86° 42' 26.064'
17.	बधेई पादा	उ- 20° 30' 11.986'	ई- 86° 40' 39.069'
18.	बादपाली	उ- 20° 30' 51.891'	ई- 86° 41' 24.876'
19.	बाघाबुदा	उ- 20° 44' 34.548'	ई- 86° 42' 9.169'
20.	बधातैला	उ- 20° 32' 28.003'	ई- 86° 41' 26.627'
21.	बाला भाद्रपुर	उ- 20° 35' 55.212'	ई- 86° 39' 50.621'
22.	बालाकाती	उ- 20° 41' 28.957'	ई- 86° 40' 49.735'
23.	बलारामपुर	उ- 20° 44' 9.406'	ई- 86° 40' 26.710'
24.	बाली झारी	उ- 20° 34' 11.25'	ई- 86° 41' 35.55'
25.	बलिया	उ- 20° 33' 19.569'	ई- 86° 39' 23.782'
26.	बलिया पाली	उ- 20° 30' 13.035'	ई- 86° 39' 51.972'
27.	बलियादा	उ- 20° 38' 30.209'	ई- 86° 39' 43.633'
28.	बलियाजोरी	उ- 20° 33' 55.120'	ई- 86° 41' 54.708'
29.	बालीगन्दा (रतनपुर)	उ- 20° 29' 20.777'	ई- 86° 40' 33.139'
30.	बालीपाटना	उ- 20° 35' 3.061'	ई- 86° 39' 3.012'
31.	बाना पादा	उ- 20° 28' 55.023'	ई- 86° 44' 41.915'
32.	बांधा पारा	उ- 20° 28' 44.164'	ई- 86° 39' 47.351'
33.	बानीदीहापाटना	उ- 20° 42' 53.94'	ई- 86° 39' 37.76'
34.	बंतो	उ- 20° 33' 22.555'	ई- 86° 38' 54.120'

35.	बारादा	उ- 20° 45' 6.500'	ई- 86° 43' 5.954'
36.	बरुंदीहा	उ- 20° 42' 13.294'	ई- 86° 40' 31.505'
37.	बाटीपारा	उ- 20° 29' 59.644'	ई- 86° 39' 24.642'
38.	बेटा	उ- 20° 39' 11.244'	ई- 86° 40' 23.431'
39.	भारीगादा	उ- 20° 42' 14.471'	ई- 86° 40' 52.058'
40.	भोपाल	उ- 20° 30' 8.882'	ई- 86° 43' 39.000'
41.	भूइनपादा	उ- 20° 29' 0.485'	ई- 86° 42' 18.225'
42.	बिला पोखरिया पादा	उ- 20° 31' 37.74'	ई- 86° 40' 47.98'
43.	बिसुनपुर	उ- 20° 32' 4.745'	ई- 86° 41' 46.470'
44.	चकीबंका	उ- 20° 34' 42.647'	ई- 86° 39' 35.678'
45.	चंदा पुर	उ- 20° 32' 35.449'	ई- 86° 41' 37.954'
46.	चंदन नगर	उ- 20° 39' 46.937'	ई- 86° 44' 33.579'
47.	चंदन नगर	उ- 20° 33' 00.29'	ई- 86° 39' 16.18'
48.	छादेश	उ- 20° 43' 18.624'	ई- 86° 40' 47.292'
49.	चुनाबंधा	उ- 20° 40' 54.62'	ई- 86° 40' 38.89'
50.	दक्षिणाडांडी	उ- 20° 35' 20.272'	ई- 86° 40' 16.674'
51.	दालाबाद	उ- 20° 33' 12.767'	ई- 86° 39' 35.877'
52.	दमर पुर	उ- 20° 35' 30.333'	ई- 86° 38' 46.034'
53.	दासाभागरिया	उ- 20° 42' 30.529'	ई- 86° 42' 4.575'
54.	दासी पुर	उ- 20° 38' 8.595'	ई- 86° 39' 44.890'
55.	धनेश्वरपुर	उ- 20° 38' 49.794'	ई- 86° 41' 55.337'
56.	धिमिरिया	उ- 20° 33' 8.473'	ई- 86° 41' 54.799'
57.	दिनीआरी	उ- 20° 39' 52.071'	ई- 86° 43' 45.001'
58.	डोलीगांव	उ- 20° 29' 24.237'	ई- 86° 40' 58.488'
59.	एकताला	उ- 20° 29' 39.53'	ई- 86° 40' 54.15'
60.	फिरीकिदांदी	उ- 20° 35' 22.83'	ई- 86° 40' 29.79'
61.	गाम्हेरिया	उ- 20° 39' 31.188'	ई- 86° 40' 24.891'
62.	गांजा	उ- 20° 43' 43.239'	ई- 86° 41' 6.384'
63.	गरजंग	उ- 20° 29' 50.672'	ई- 86° 42' 20.922'

64.	गवादिया	उ- 20° 38' 33.98'	ई- 86° 39' 08.28'
65.	गोबिन्दपुर	उ- 20° 44' 18.560'	ई- 86° 41' 35.337'
66.	गोउआ	उ- 20° 29' 13.884'	ई- 86° 39' 58.138'
67.	गोपीनथपुर	उ- 20° 40' 0.318'	ई- 86° 41' 46.736'
68.	गोपतिरा	उ- 20° 33' 37.801'	ई- 86° 39' 38.237'
69.	हराना बाबी	उ- 20° 33' 50.242'	ई- 86° 39' 0.761'
70.	हरी पुर	उ- 20° 31' 39.704'	ई- 86° 41' 40.480'
71.	इच्छपुर	उ- 20° 39' 54.782'	ई- 86° 43' 17.409'
72.	इसानी पल्ला	उ- 20° 31' 10.127'	ई- 86° 41' 42.954'
73.	जगननाथपुर	उ- 20° 33' 28.427'	ई- 86° 42' 30.170'
74.	जगुलाईपादा	उ- 20° 44' 57.281'	ई- 86° 41' 57.030'
75.	जामुदांडा	उ- 20° 40' 19.803'	ई- 86° 43' 11.319'
76.	झारकाटा	उ- 20° 41' 58.615'	ई- 86° 41' 31.991'
77.	जुनापंगा	उ- 20° 32' 17.951'	ई- 86° 42' 23.795'
78.	काजला बांधा	उ- 20° 31' 33.983'	ई- 86° 41' 22.376'
79.	काकत पुर	उ- 20° 28' 48.861'	ई- 86° 40' 1.814'
80.	कालादिया	उ- 20° 38' 15.468'	ई- 86° 40' 9.047'
81.	कालापाहादा	उ- 20° 40' 54.783'	ई- 86° 40' 26.836'
82.	कालातुंगा	उ- 20° 28' 41.022'	ई- 86° 41' 9.443'
83.	काताकाना	उ- 20° 37' 49.253'	ई- 86° 39' 44.932'
84.	केननगा	उ- 20° 39' 19.306'	ई- 86° 41' 31.414'
85.	केरादासाही	उ- 20° 31' 18.477'	ई- 86° 41' 55.415'
86.	केशानगर	उ- 20° 42' 14.530'	ई- 86° 41' 24.704'
87.	खान्ता ई-	उ- 20° 32' 43.470'	ई- 86° 42' 10.551'
88.	खांडोल	उ- 20° 39' 9.091'	ई- 86° 41' 29.915'
89.	कोचिला	उ- 20° 39' 19.836'	ई- 86° 41' 41.338'
90.	कोलीदिहा	उ- 20° 40' 7.336'	ई- 86° 43' 41.564'
91.	कोरीपल्ला	उ- 20° 31' 52.267'	ई- 86° 42' 8.234'
92.	कुधी	उ- 20° 36' 33.965'	ई- 86° 38' 7.219'

93.	कुंडीलो	उ- 20° 39' 49.848'	ई- 86° 41' 52.390'
94.	कुन्दुपुर	उ- 20° 34' 16.681'	ई- 86° 41' 23.255'
95.	लक्ष्मीप्रसादिया	उ- 20° 44' 57.829'	ई- 86° 48' 16.812'
96.	मदन पुर	उ- 20° 34' 56.711'	ई- 86° 40' 43.345'
97.	माहु	उ- 20° 39' 19.435'	ई- 86° 42' 30.332'
98.	महुशीगन	उ- 20° 45' 24.675'	ई- 86° 42' 48.986'
99.	मकुन्दपुर	उ- 20° 43' 10.287'	ई- 86° 41' 29.428'
100.	मालादिया	उ- 20° 28' 56.114'	ई- 86° 44' 10.521'
101.	मालीपुर	उ- 20° 34' 13.518'	ई- 86° 38' 40.282'
102.	मानेदिहा	उ- 20° 42' 57.804'	ई- 86° 41' 47.592'
103.	मंगलापुर	उ- 20° 41' 57.531'	ई- 86° 42' 2.221'
104.	मनीकापटना	उ- 20° 36' 43.198'	ई- 86° 39' 11.242'
105.	मटिया	उ- 20° 45' 38.367'	ई- 86° 42' 26.463'
106.	मरुगा नेयानी	उ- 20° 39' 2.302'	ई- 86° 40' 0.958'
107.	मुंदातला सहारा	उ- 20° 30' 3.311'	ई- 86° 44' 57.500'
108.	नागापादा	उ- 20° 41' 26.634'	ई- 86° 40' 24.350'
109.	नालादिया	उ- 20° 37' 50.449'	ई- 86° 40' 15.143'
110.	नरसिंह पुर	उ- 20° 29' 46.175'	ई- 86° 44' 10.435'
111.	नौगन	उ- 20° 32' 11.76'	ई- 86° 33' 05.12'
112.	नौगन	उ- 20° 37' 25.95'	ई- 86° 45' 28.72'
113.	ओडिसाला	उ- 20° 29' 43.994'	ई- 86° 45' 14.437'
114.	ओस्तिया	उ- 20° 45' 33.826'	ई- 86° 43' 19.209'
115.	औपादा	उ- 20° 32' 33.84'	ई- 86° 40' 32.13'
116.	पाला धन ईश्वरपुर	उ- 20° 38' 35.060'	ई- 86° 42' 27.999'
117.	पालापाटना	उ- 20° 36' 3.249'	ई- 86° 38' 8.500'
118.	पानीखिया	उ- 20° 29' 16.351'	ई- 86° 41' 41.972'
119.	पौनसीपल	उ- 20° 30' 4.488'	ई- 86° 45' 25.272'
120.	पोदामराय	उ- 20° 39' 55.103'	ई- 86° 40' 55.546'
121.	पुरिलो	उ- 20° 40' 3.699'	ई- 86° 41' 28.596'

122.	राधानगर	उ- 20° 39' 10.98'	ई- 86° 38' 54.66'
123.	राजपुर	उ- 20° 39' 24.146'	ई- 86° 44' 9.442'
124.	रामभिला	उ- 20° 37' 9.322'	ई- 86° 38' 56.496'
125.	रानीपोखारी	उ- 20° 41' 10.163'	ई- 86° 40' 15.837'
126.	राता पंगा	उ- 20° 30' 5.537'	ई- 86° 44' 23.685'
127.	रेसुआ	उ- 20° 34' 4.131'	ई- 86° 41' 3.952'
128.	राउता	उ- 20° 37' 46.09'	ई- 86° 37' 17.13'
129.	साहुपादा	उ- 20° 38' 34.886'	ई- 86° 40' 50.099'
130.	सानानको	उ- 20° 40' 31.074'	ई- 86° 42' 8.435'
131.	सनातैला	उ- 20° 44' 35.531'	ई- 86° 41' 21.709'
132.	संकाचित	उ- 20° 29' 27.863'	ई- 86° 43' 1.641'
133.	संख पुर	उ- 20° 33' 32.367 '	ई- 86° 41' 55.960'
134.	संकरुरपा	उ- 20° 29' 54.808'	ई- 86° 39' 39.937'
135.	संसार फाल	उ- 20° 33' 43.578'	ई- 86° 40' 24.129'
136.	सासना	उ- 20° 30' 40.818'	ई- 86° 44' 30.872'
137.	सताधारिया	उ- 20° 43' 52.219'	ई- 86° 40' 33.102'
138.	सताकुरिया	उ- 20° 30' 12.191'	ई- 86° 39' 38.807'
139.	सिंगरपुर	उ- 20° 33' 27.774'	ई- 86° 41' 31.810'
140.	श्रीरामपुर	उ- 20° 35' 34.806'	ई- 86° 38' 8.568'
141.	सुबरना पुर	उ- 20° 32' 27.529'	ई- 86° 42' 3.335'
142.	सुनीती (बेना कांधा)	उ- 20° 28' 11.686'	ई- 86° 43' 34.378'
143.	तनालाधिया	उ- 20° 40' 9.499'	ई- 86° 44' 2.400'
144.	तांगानातैला	उ- 20° 36' 9.090'	ई- 86° 39' 40.677'
145.	तांतियापाल	उ- 20° 30' 39.629'	ई- 86° 43' 57.060'
146.	तेरोही	उ- 20° 30' 55.241'	ई- 86° 40' 49.847'
147.	तेतलंगा	उ- 20° 31' 59.344'	ई- 86° 39' 0.740'

उपबंध-3

राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और दिनांक

उपबंध-3

राज्य स्तरीय पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और दिनांक
2. बैठकों का कार्यवृत : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबद्ध करें ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सारांश (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
5. ईआईए अधिसूचना, 2006 (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
के अधीन आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं ।
6. ईआईए अधिसूचना, 2006 (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश । ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं ।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश (पारिस्थितिक संवेदी जोनवार)
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

[फा. सं. 25/04/2014-ईएसजेड-आरई]

डा. जी.वी. सुब्रहमण्यम, वैज्ञानिक 'जी

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FORESTS AND CLIMATE CHANGE
NOTIFICATION

New Delhi, the 21st October, 2014

S.O. 2730(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the Public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi-110003, or at e-mail address:- esz-mef@nic.in

Draft Notification

Whereas, the Mangrove Forest Division (Wildlife), Rajnagar has three protected areas namely Bhitarkanika Wildlife Sanctuary notified in the year 1975 under section 29 of Wildlife (Protection) Act, 1972, Bhitarkanika National Park notified in 1998 under section35 sub-section 4 of Wildlife (Protection) Act, 1972and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary finally notified in 1997 under clause (b) of sub-section-1 under section 26 of Wildlife (Protection) Act, 1972.

And whereas, the boundary of Bhitarkanika National Park is within the Bhitarkanika Wild life Sanctuary, the Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary is contiguous with the eastern boundary of Bhitarkanika Sanctuary. Thus the protected areas of this division form a contiguous land and water body which is treated as unit for identifying the eco sensitive zone for this protected areas.

And Whereas, the protected area having estuarine, marine ecosystem is highly productive ecosystem. The rich biodiversity can be judged from the presence of species diversity having 61 species of Invertebrates like Protozoa-2 species, Coelenterates-3 species, Mollusca-7 species, Annelids-34 species, Arthopods-15 species, and Vertebrates like Fish-20 species, Amphibians-5 species and Reptile-42 species, Birds more than 280 species, Mammals 28 species including Cetaceans. The bio diversity of mangroves in the national park area is one of the highest; having 71 species of mangroves with their associate which has been identified taxonomically.

And Whereas, the Bhitarkanika area has the largest natural population estuarine crocodile and is known for its reptilian diversity. It also has largest heronry in Asia, which is an annual activity during monsoon. Winter migrants visit the National Park every year, in more than fifty thousand in number.

And Whereas, the Bhitarkanika is the second Ramsar site in the state of Odisha which is a wetland of international repute and the Gahirmatha Marine Wild Life Sanctuary is globally known for mass nesting of Olive Ridley Sea Turtles. Many of the endangered species of flora & fauna enlisted in the Wild Life Protection Act 1972 and enlisted in the Red Data Book of International Union for Conservation of Nature(IUCN) are available in these protected areas.

And Whereas, it is necessary to conserve and protect the area up to two kilometer from the boundary of the protected area of Bhitarkanika Wildlife Sanctuary and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary as Eco-sensitive Zone from ecological and environmental point of view;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (v) and clause (xiv) of sub – section (2) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies the areaupto two kilometers from the boundary of the protected area of theBhitarkanika Wildlife Sanctuary, Bhitarkanika National Park and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary in the State of Odishaas the Eco-sensitive Zone, details of which are as under, namely:-

1. **Extent and Boundaries of Eco-sensitive Zone.**-(1) The Eco-sensitive Zone varies from zero to two kilometers width from the boundary of the protected areas of Bhitarkanika Wildlife Sanctuary, Bhitarkanika National Park and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary situated in the Kendrapara district of Odisha covering geographical area of 446.40 square kilometre of the Eco-sensitive Zone.

(2) The Eco-sensitive Zone is bounded by 20° 43' 15.5"N latitude and 87° 18' 32.9"Elongitude towards East; 20° 29' 13.8" N latitude and 86° 39' 58.1" E longitude towards west south; 20° 48' 21.6"N latitude and 86° 56' 37.1"E longitude towards northand 20° 16' 35.6"N latitude and 86° 56' 23.7"E longitude towards south.

(3) The map of Eco-sensitive Zone boundary together with its latitudes and longitudes of extremes and extent is appended to this notification as **Annexure I**.

(4) The list of villages falling within the Eco-sensitive Zone of Bhitarkanika Wildlife Sanctuary, Bhitarkanika National Park and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary along with their longitude and latitudes at prominent points is appended to this notification as **Annexure II.**

(5) The villages as given in Annexure II shall be further revisited and confirmation by the State Government while preparing the Zonal Master Plan.

2. **Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone.**- (1)The State Government shall, for the purpose of effective management of the Eco-sensitive Zone, prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, for the consideration and approval of the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, in consultation with the local people and with the following concerned State Departments, namely:-

(i) Forest, Environment and Wildlife Management;
(ii) Odisha Police;
(iii) Urban Housing Development;
(iv) Tourism;
(v) Rural Management and Development;
(vi) Irrigation and Flood Control;
(vii) Public Works Development;
(viii) Land Revenue; and
(ix) Disaster Management.

(2) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of degraded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, ground water management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of ecology and environment that need attention.

(3) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing and proposed urban settlements, village settlements, types and kinds of forest, agriculture areas, horticultural areas, lakes, other water bodies and entrepreneurial units.

(4) The Zonal Master Plan shall contain the measures as may be specified by the Central Government or the State Government, for regulation of activities specified under column (2) of the table specified in paragraph 4.

(5) The Zonal Master Plan so prepared shall be co-terminus with the regional development plan.

3. **Measures to be taken by State Government.**-The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) **Land Use.**-Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities:

Provided that the conversion of agricultural lands within the Eco-sensitive Zonemay be permitted on the recommendation of the State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committee (SESZMC), and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of the local residents, and for the activities listed at item numbers 12, 25, 26, 30 and 31 specified under column (2) of the table in paragraph 4, namely:-

(i) Rainwater harvesting,
(ii) Cottage industries including village artisans, etc.,
(iii) Small scale industries not causing pollution,
(iv) Eco-tourism facilities like home stays, ropeways, kiosks, funiculars, etc; and
(v) Security Forces Camp:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial or industrial related development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act,2006(2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of SESZMC, only once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(2) **Natural springs.**-The catchment areas of all springs shall be identified and plans for conservation and rejuvenation of springs shall be incorporated in the Zonal Master Plan and strict guidelines be drawn up for the prohibition of development activities at or near these areas.

(3) **Tourism.**-The activity relating to tourism within the Eco-sensitive Zone shall be as under, namely:-

(i) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change and the Ministry of Tourism and by the National Tiger Conservation Authority, with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development and based on carrying capacity study of the Eco-sensitive Zone;

(ii) new construction of any kind shall not be allowed within the Eco-sensitive Zone except the activity specified at item No. 30 relating to eco-tourism facilities like home stays, ropeways, kiosks, funiculars, etc. under column (2) of the Table in paragraph 4;

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scruitinisation and recommendation of the SESZMC.

(4) **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and be preserved and proper plan be drawn up for their protection and conservation, within six months from the date of publication of this notification and such plans shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) **Noise pollution.**- The Environment Department of Odisha shall draw up guidelines and regulations for the control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981(14 of 1981).

(6) **Air pollution.**-The Environment Department Odisha shall draw up guidelines and regulations for the control of air pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981).

(7) **Discharge of effluents.**- The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974(6 of 1974).

(8) **Solid wastes.** - Disposal of solid wastes shall be as under:-

(i) The solid waste disposal in Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide notification number S.O. 908 (E), dated the 25th September 2000;

(ii) the local authorities shall draw up plans for the segregation of solid wastes into biodegradable and non-biodegradable components;

(iii) the biodegradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture;

(iv) the inorganic material shall be disposed of in an environmentally acceptable manner.

(9) **Bio-medical waste.-** The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 1998 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide Notification number S.O. 630(E), dated the 20th July, 1998.

(10) **Vehicular traffic.** - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal master plan is prepared and approved by the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, SESZMC shall monitor compliance of vehicular movement as per the rules and regulations in force.

4. List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.-All activities in the Eco-sensitive Zoneshall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) and be regulated in the manner specified in the Table below, namely :—

TABLE

Sl. No.	Activity	Prohibited	Regulated	Permitted	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Commercial Mining, stone quarrying and crushing units.	Yes	-	-	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited except for the domestic needs of *bona fide* local residents. (b) The mining operations shall strictly be in accordance to the orders of the Hon'bleSupreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T. N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Felling of trees	-	Yes	-	(a) There shall be no felling of trees on the forest land or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Centralor State Act and the rulesmade there under.
3.	Setting of Saw-mills	Yes	-	-	
4.	Setting up of industries causing water or air or soil or noise pollution.	Yes	-	-	No new or expansion of existing polluting industries shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
5.	Commercial establishment of hotels and resorts.	-	Yes	-	No new or expansion of existing commercial establish-ments such as hotels and resorts shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.

6.	Commercial Use of Fire wood	Yes	-	-	
7.	Commercial water resources including ground water harvesting.	-	Yes	-	(a)The extraction of surface waterand ground water shall be allowed only for *bonafide* agricultural use and domestic consumption of the occupier of the land. (b) The extraction of surface water and ground water for industrial or commercial use including the amount that can be extracted, shall require prior written permissionfrom the concerned Regulatory Authority. (c) No sale of surface water or ground water shall be permitted. (d) Steps shall be taken to prevent contamination or pollution of water from any source including agriculture.
8.	Establishment of new major hydro-electric projects	Yes	-	-	Setting up of new hydro-electric power plants (dams, tunneling, and construction of reservoir) and expansion of existing plants in the Eco-sensitive Zone is prohibited except the microhydel power projects (Up to 100KW) or the mini hydel power projects (from 101 to 2000KW), which would serve the energy needs of the local communities, subject to consent of the concerned Gram Sabha and all other requisite clearances.
9.	Erection of electrical cables and telecommunication towers.	-	Yes	-	Promote underground cabling
10.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming and fisheries.	-	-	Yes	
11.	Rain water harvesting	-	-	Yes	Shall be actively promoted.
12.	Fencing of existing premises of hotels and lodges.	-	Yes	-	
13.	Organic Farming	-	-	Yes	Shall be actively promoted.
14.	Uses of plastic carry bags.	Yes	-	-	
15.	Use of renewable energy sources	-	-	Yes	Shall be actively promoted.

16.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	-	Yes	-	Shall be done with proper Environment Impact Assessment and mitigation measures, as applicable
17.	Movement of vehicular traffic including Boats at night	-	Yes	-	For commercial purpose.
18.	Introduction of exotic species	-	Yes	-	
19.	Use or production of any hazardous substances	Yes	-	-	
20.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the National Park area by any air craft, hot air balloons etc.	Yes	-	-	
21.	Protection of Hill slopes and river banks	-	Yes	-	
22.	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Yes	-	-	
23.	Commercial sign boards and hoardings.	-	Yes	-	
24.	Adoption of Green technology for all activities	-	-	Yes	Shall be actively promoted.
25.	Vegetative fencing			Yes	
26.	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Yes	-	-	
27.	Cottage industries including village artisans, etc.	-	-	Yes	
28.	Small scale industries not causing pollution.	-	Yes	-	Non-polluting, non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous goods which do not cause any adverse impact on environment.
29.	New wood based industry.	Yes	-	-	No establishment of new wood based industry shall be permitted within Eco-sensitive Zone.
30.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest Produce (NTFP).	-	Yes	-	
31.	Construction activities	Yes	-	-	No new construction of any kind shall be allowed within the Eco-sensitive Zone,except for the purposes of domestic

					needs of local residents and for the activities listed at item numbers 11, 27, 28, 32 and 33:Provided that in the case of activities listed at item number 26, the construction activity shall be allowed at the minimum.
32.	Eco-tourism facilities like home stays, ropeways, kiosks, funiculars, etc.	-	Yes	-	
33.	Security Forces Camp	-	Yes		

5. **State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.**- (1) The Central Government shall, for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, constitute a Committee to be called the State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committeefor the State of Odisha comprising of.-

(i) Chief Secretary to the Government of Odisha- Chairman;

(ii) Representative of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change –Member;

(iii) Chief Wildlife Warden, Government of Odisha- Member;

(iv) Member Secretary, OdishaState Pollution Control Board-Member;

(v) One representative of Non-Governmental Organisation working in the field of environment to be nominated by the Government of Odisha – Member;

(vi) Secretary, Environment and Forests, Government of Odisha– Member;

(vii) Secretary Revenue and Disaster Management (R&DM), Government of Odisha – Member;

(viii) Secretary Departmentof Agriculture, Government of Odisha – Member;

(ix) Secretary Housing and Urban Development Department, Government of Odisha – Member;

(x) Concerned District Collector from Kendrapara and Bhadrak-Member;

(xi) Concerned Divisional Forest Officers, Bhadrak and Rajnagar Environment and Wildlife Division – Member;

(xii) Director, Department of Environment, Government of Odisha– Member Secretary;

(2) The SESZMC shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column(3) of the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the SESZMC based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change for prior environmental clearance under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533(E), dated the 14th September, 2006 but are falling in the Eco-sensitive Zone, except the prohibited activities as specified in column(3) of the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the SESZMC based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned Regulatory Authorities.

(5) The Member Secretary of the SESZMC or the concerned Collector or the concerned park in-charge shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The SESZMC may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from Industry Associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to the Central Government in the Ministry of Environment and Forests and Climate Change as per pro forma given in **Annexure III**.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

6. The provisions of this Notification are subject to the orders, if any, passed, or to be passed, by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal (NGT).

Annexure I

Map of Eco-sensitive Zone boundary around Bhitarkanika National Park & Sanctuary and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary together with its latitudes and longitude of extremes and extent.

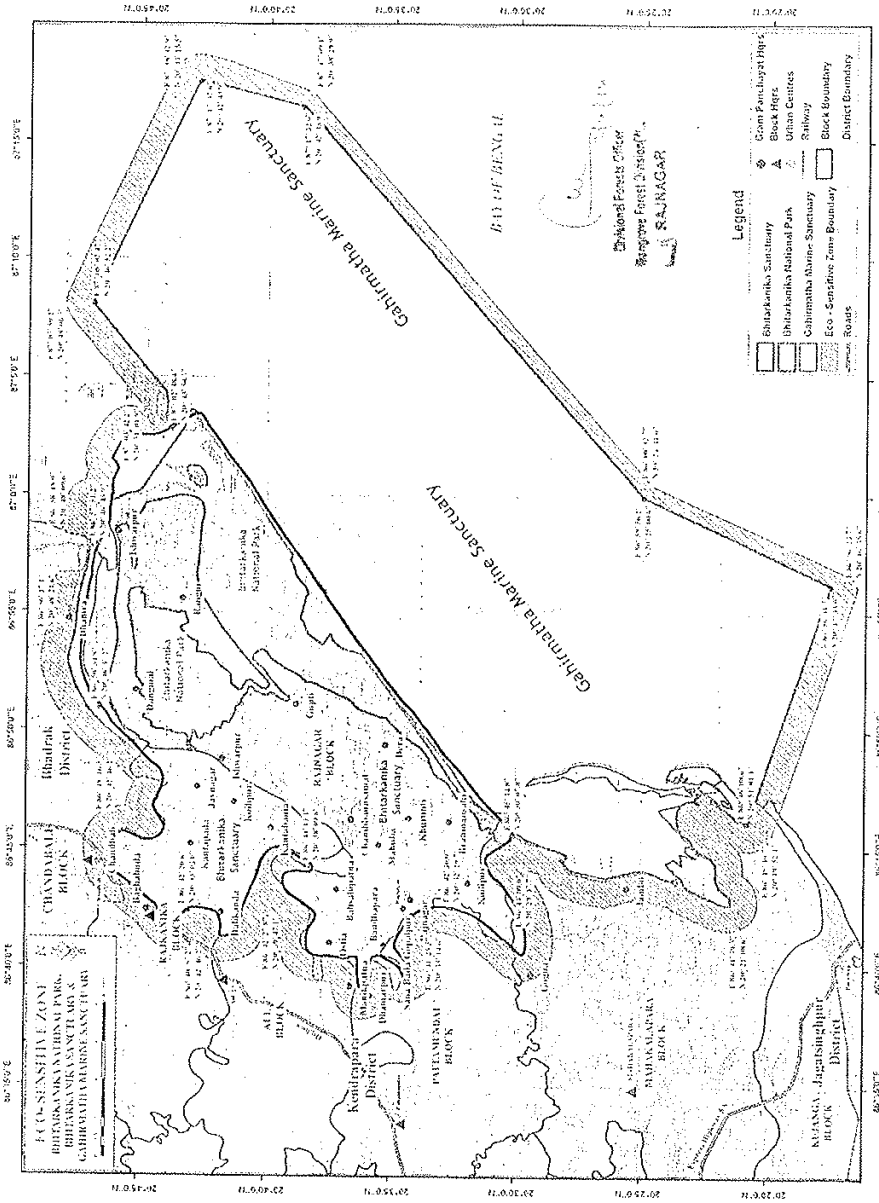

Annexure II

List of villages falling within the proposed Eco-sensitive Zone of Bhitarkanika Wildlife Sanctuary, Bhitarkanika National Park and Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary, Odisha.

1. Bhadrak District:

Sl. No	Name of the village	Latitude	Longitude
1.	Ambiligan	N- 20° 46' 7.095"	E- 86° 46' 26.644"
2.	Badaharipur	N- 20° 47' 40.15"	E- 86° 45' 58.15"
3.	Badaostia	N- 20° 48' 34.57"	E- 86° 44' 20.81"
4.	Baghanata	N- 20° 46' 11.825"	E- 86° 48' 56.636"
5.	Baligan	N- 20° 47' 29.92"	E- 86° 44' 02.70"
6.	Bareipur	N- 20° 47' 25.30"	E- 86° 44' 43.50"
7.	Bentalpur	N- 20° 45' 14.785"	E- 86° 46' 46.075"
8.	Bidyutprava	N- 20° 48' 18.417"	E- 86° 55' 49.076"
9.	Binataro	N- 20° 46' 24.76"	E- 86° 43' 26.45"
10.	Chandabali	N- 20° 45' 50.888"	E- 86° 43' 16.758"
11.	Charadia	N- 20° 47' 47.500"	E- 86° 50' 45.409"
12.	Coconat Island	N- 20° 50' 14.76"	E- 86° 57' 35.67"
13.	Dakshinadhamara	N- 20° 47' 49.911"	E- 86° 53' 45.680"
14.	Dhrubapahalipur	N- 20° 46' 32.347"	E- 86° 49' 37.742"
15.	Durgapur	N- 20° 45' 26.265"	E- 86° 48' 10.728"
16.	Goladia	N- 20° 46' 18.85"	E- 86° 42' 54.81"
17.	Harishpur	N- 20° 48' 26.239"	E- 86° 51' 51.918"
18.	Jagula	N- 20° 48' 37.701"	E- 86° 53' 54.118"
19.	Jayadurgapatana	N- 20° 47' 48.825"	E- 86° 55' 22.472"
20.	Jharakata	N- 20° 48' 28.566"	E- 86° 53' 2.095"
21.	Jyosnamayee	N- 20° 47' 47.705"	E- 86° 56' 6.029"
22.	Kanakpalli	N- 20° 48' 18.314"	E- 86° 52' 43.953"
23.	Kandagaradi	N- 20° 47' 19.26"	E- 86° 49' 05.75"
24.	Kandha	N- 20° 44' 46.273"	E- 86° 45' 54.109"
25.	Kasturikana	N- 20° 45' 25.172"	E- 86° 48' 50.645"

26.	Kaudiapal	N- 20° 44' 46.385"	E- 86° 47' 19.981"
27.	Khamarsahi	N- 20° 55' 24.80"	E- 86° 52' 06.42"
28.	Kulhi	N- 20° 46' 02.20"	E- 86° 42' 32.18"
29.	Narasinghpur	N- 20° 48' 20.630"	E- 86° 53' 45.659"
30.	Nayahat	N- 20° 47' 57.60"	E- 86° 44' 52.53"
31.	Neduali	N- 20° 46' 58.29"	E- 86° 49' 14.76"
32.	Orasahi	N- 20° 46' 58.29"	E- 86° 49' 14.76"
33.	Pahadpur	N- 20° 46' 22.777"	E- 86° 43' 37.264"
34.	Paikarapur	N- 20° 47' 32.40"	E- 86° 46' 27.53"
35.	Paikasahi	N- 20° 48' 5.855"	E- 86° 54' 12.288"
36.	Panchupada	N- 20° 47' 47.36"	E- 86° 45' 28.73"
37.	Patuli	N- 20° 46' 46.694"	E- 86° 43' 52.948"
38.	Pokharisahi	N- 20° 45' 36.336"	E- 86° 45' 56.450"
39.	Rajarajeswarpalli	N- 20° 48' 2.347"	E- 86° 51' 51.940"
40.	Rajendrapali	N- 20° 47' 32.735"	E- 86° 51' 14.461"
41.	Sompur	N- 20° 47' 29.02"	E- 86° 45' 49.08"
42.	Sanaharipur	N- 20° 46' 25.259"	E- 86° 45' 57.585"
43.	Simulia	N- 20° 37' 49.253"	E- 86° 39' 44.932"
44.	Chandabali	N- 20° 46' 16.97"	E- 86° 44' 15.00"
45.	Dhamara	N- 20° 47' 43.14"	E- 86° 53' 47.97"

2. Kendrapada District:

Sl. No	Name of the village	Latitude	Longitude
1.	Achhutapur	N- 20° 43' 12.529"	E- 86° 41' 11.285"
2.	Achinta	N- 20° 44' 35.648"	E- 86° 41' 47.397"
3.	Adhadeunria	N- 20° 33' 31.024"	E- 86° 40' 3.620"
4.	Adhajori	N- 20° 34' 23.243"	E- 86° 39' 4.310"
5.	Alakana	N- 20° 40' 34.324"	E- 86° 40' 37.760"
6.	Andharua	N- 20° 33' 37.739"	E- 86° 39' 6.830"

7.	Arehikana	N- 20° 37' 41.021"	E- 86° 39' 17.376"
8.	Asoka Dia	N- 20° 45' 0.085"	E- 86° 47' 59.876"
9.	Atala	N- 20° 39' 5.620"	E- 86° 40' 58.496"
10.	Babara	N- 20° 29' 35.653"	E- 86° 39' 27.004"
11.	Badagara	N- 20° 44' 12.064"	E- 86° 42' 53.418"
12.	Badajoramuhan	N- 20° 41' 59.705"	E- 86° 41' 5.389"
13.	Badambila	N- 20° 38' 49.620"	E- 86° 40' 19.851"
14.	Badanko	N- 20° 40' 36.654"	E- 86° 41' 6.769"
15.	Badapal	N- 20° 30' 22.325"	E- 86° 41' 20.409"
16.	Badataila	N- 20° 44' 53.918"	E- 86° 42' 26.064"
17.	Badhei pada	N- 20° 30' 11.986"	E- 86° 40' 39.069"
18.	Badpalli	N- 20° 30' 51.891"	E- 86° 41' 24.876"
19.	Baghabuda	N- 20° 44' 34.548"	E- 86° 42' 9.169"
20.	Baghataila	N- 20° 32' 28.003"	E- 86° 41' 26.627"
21.	Balabhadra pur	N- 20° 35' 55.212"	E- 86° 39' 50.621"
22.	Balakati	N- 20° 41' 28.957"	E- 86° 40' 49.735"
23.	Balaram pur	N- 20° 44' 9.406"	E- 86° 40' 26.710"
24.	Bali jhari	N- 20° 34' 11.25"	E- 86° 41' 35.55"
25.	Balia	N- 20° 33' 19.569"	E- 86° 39' 23.782"
26.	Balia palli	N- 20° 30' 13.035"	E- 86° 39' 51.972"
27.	Baliada	N- 20° 38' 30.209"	E- 86° 39' 43.633"
28.	Baliajori	N- 20° 33' 55.120"	E- 86° 41' 54.708"
29.	Baliganda(Ratanpur)	N- 20° 29' 20.777"	E- 86° 40' 33.139"
30.	Balipatana	N- 20° 35' 3.061"	E- 86° 39' 3.012"
31.	Bana pada	N- 20° 28' 55.023"	E- 86° 44' 41.915"
32.	Bandha para	N- 20° 28' 44.164"	E- 86° 39' 47.351"
33.	Banidihapatna	N- 20° 42' 53.94"	E- 86° 39' 37.76"
34.	Banto	N- 20° 33' 22.555"	E- 86° 38' 54.120"
35.	Barada	N- 20° 45' 6.500"	E- 86° 43' 5.954"

36.	Barundiha	N- 20° 42' 13.294"	E- 86° 40' 31.505"
37.	Batipara	N- 20° 29' 59.644"	E- 86° 39' 24.642"
38.	Beta	N- 20° 39' 11.244"	E- 86° 40' 23.431"
39.	Bharigada	N- 20° 42' 14.471"	E- 86° 40' 52.058"
40.	Bhopal	N- 20° 30' 8.882"	E- 86° 43' 39.000"
41.	Bhuinpada	N- 20° 29' 0.485"	E- 86° 42' 18.225"
42.	Bila pokharia pada	N- 20° 31' 37.74"	E- 86° 40' 47.98"
43.	Bisunpur	N- 20° 32' 4.745"	E- 86° 41' 46.470"
44.	Chakibanka	N- 20° 34' 42.647"	E- 86° 39' 35.678"
45.	Chanda pur	N- 20° 32' 35.449"	E- 86° 41' 37.954"
46.	Chandannagar	N- 20° 39' 46.937"	E- 86° 44' 33.579"
47.	Chandan Nagar	N- 20° 33' 00.29"	E- 86° 39' 16.18"
48.	Chhadesh	N- 20° 43' 18.624"	E- 86° 40' 47.292"
49.	Chunabandha	N- 20° 40' 54.62"	E- 86° 40' 38.89"
50.	Dakhinadandi	N- 20° 35' 20.272"	E- 86° 40' 16.674"
51.	Dalabad	N- 20° 33' 12.767"	E- 86° 39' 35.877"
52.	Damar pur	N- 20° 35' 30.333"	E- 86° 38' 46.034"
53.	Dasabhagaria	N- 20° 42' 30.529"	E- 86° 42' 4.575"
54.	Dasi pur	N- 20° 38' 8.595"	E- 86° 39' 44.890"
55.	Dhaneswarpur	N- 20° 38' 49.794"	E- 86° 41' 55.337"
56.	Dimiria	N- 20° 33' 8.473"	E- 86° 41' 54.799"
57.	Diniari	N- 20° 39' 52.071"	E- 86° 43' 45.001"
58.	Doligaon	N- 20° 29' 24.237"	E- 86° 40' 58.488"
59.	Ektala	N- 20° 29' 39.53"	E- 86° 40' 54.15"
60.	Firikidandi	N- 20° 35' 22.83"	E- 86° 40' 29.79"
61.	Gamharia	N- 20° 39' 31.188"	E- 86° 40' 24.891"
62.	Ganja	N- 20° 43' 43.239"	E- 86° 41' 6.384"
63.	Garjang	N- 20° 29' 50.672"	E- 86° 42' 20.922"
64.	Gavadia	N- 20° 38' 33.98"	E- 86° 39' 08.28"

65.	Gobinda pur	N- 20° 44' 18.560"	E- 86° 41' 35.337"
66.	Gogua	N- 20° 29' 13.884"	E- 86° 39' 58.138"
67.	Gopinath pur	N- 20° 40' 0.318"	E- 86° 41' 46.736"
68.	Goptira	N- 20° 33' 37.801"	E- 86° 39' 38.237"
69.	Haranabābi	N- 20° 33' 50.242"	E- 86° 39' 0.761"
70.	Hari pur	N- 20° 31' 39.704"	E- 86° 41' 40.480"
71.	Ichhapur	N- 20° 39' 54.782"	E- 86° 43' 17.409"
72.	Isanipalla	N- 20° 31' 10.127"	E- 86° 41' 42.954"
73.	Jagannatha pur	N- 20° 33' 28.427"	E- 86° 42' 30.170"
74.	Jagulaipada	N- 20° 44' 57.281"	E- 86° 41' 57.030"
75.	Jamudanda	N- 20° 40' 19.803"	E- 86° 43' 11.319"
76.	Jharkata	N- 20° 41' 58.615"	E- 86° 41' 31.991"
77.	Junapanga	N- 20° 32' 17.951"	E- 86° 42' 23.795"
78.	Kajala bandha	N- 20° 31' 33.983"	E- 86° 41' 22.376"
79.	Kakat pur	N- 20° 28' 48.861"	E- 86° 40' 1.814"
80.	Kaladia	N- 20° 38' 15.468"	E- 86° 40' 9.047"
81.	Kalapahada	N- 20° 40' 54.783"	E- 86° 40' 26.836"
82.	Kalatunga	N- 20° 28' 41.022"	E- 86° 41' 9.443"
83.	Katakana	N- 20° 37' 49.253"	E- 86° 39' 44.932"
84.	Kenanga	N- 20° 39' 19.306"	E- 86° 41' 31.414"
85.	Keradasahi	N- 20° 31' 18.477"	E- 86° 41' 55.415"
86.	Keshanagar	N- 20° 42' 14.530"	E- 86° 41' 24.704"
87.	Khanata	N- 20° 32' 43.470"	E- 86° 42' 10.551"
88.	Khandol	N- 20° 39' 9.091"	E- 86° 41' 29.915"
89.	Kochila	N- 20° 39' 19.836"	E- 86° 41' 41.338"
90.	Kolidiha	N- 20° 40' 7.336"	E- 86° 43' 41.564"
91.	Koria palla	N- 20° 31' 52.267"	E- 86° 42' 8.234"
92.	Kudhi	N- 20° 36' 33.965"	E- 86° 38' 7.219"
93.	Kundilo	N- 20° 39' 49.848"	E- 86° 41' 52.390"

94.	Kundu pur	N- 20° 34' 16.681"	E- 86° 41' 23.255"
95.	Laxmiprasaddia	N- 20° 44' 57.829"	E- 86° 48' 16.812"
96.	Madan pur	N- 20° 34' 56.711"	E- 86° 40' 43.345"
97.	Mahu	N- 20° 39' 19.435"	E- 86° 42' 30.332"
98.	Mahurigan	N- 20° 45' 24.675"	E- 86° 42' 48.986"
99.	Makunda pur	N- 20° 43' 10.287"	E- 86° 41' 29.428"
100.	Maladhia	N- 20° 28' 56.114"	E- 86° 44' 10.521"
101.	Malipur	N- 20° 34' 13.518"	E- 86° 38' 40.282"
102.	Maneidiha	N- 20° 42' 57.804"	E- 86° 41' 47.592"
103.	Mangalapur	N- 20° 41' 57.531"	E- 86° 42' 2.221"
104.	Manikapatna	N- 20° 36' 43.198"	E- 86° 39' 11.242"
105.	Matia	N- 20° 45' 38.367"	E- 86° 42' 26.463"
106.	Mruga Nayani	N- 20° 39' 2.302"	E- 86° 40' 0.958"
107.	Mundatala saharakani	N- 20° 30' 3.311"	E- 86° 44' 57.500"
108.	Nagapada	N- 20° 41' 26.634"	E- 86° 40' 24.350"
109.	Naladia	N- 20° 37' 50.449"	E- 86° 40' 15.143"
110.	Narasingha pur	N- 20° 29' 46.175"	E- 86° 44' 10.435"
111.	Nuagan	N- 20° 32' 11.76"	E- 86° 33' 05.12"
112.	Nuagan	N- 20° 37' 25.95"	E- 86° 45' 28.72"
113.	Odiasala	N- 20° 29' 43.994"	E- 86° 45' 14.437"
114.	Ostia	N- 20° 45' 33.826"	E- 86° 43' 19.209"
115.	Oupada	N- 20° 32' 33.84"	E- 86° 40' 32.13"
116.	Pala Dhan Eswarapur	N- 20° 38' 35.060"	E- 86° 42' 27.999"
117.	Palapatana	N- 20° 36' 3.249"	E- 86° 38' 8.500"
118.	Panikhia	N- 20° 29' 16.351"	E- 86° 41' 41.972"
119.	Paunsiapal	N- 20° 30' 4.488"	E- 86° 45' 25.272"
120.	Podamarai	N- 20° 39' 55.103"	E- 86° 40' 55.546"
121.	Purilo	N- 20° 40' 3.699"	E- 86° 41' 28.596"
122.	Radhanagar	N- 20° 39' 10.98"	E- 86° 38' 54.66"

123.	Raj pur	N- 20° 39' 24.146"	E- 86° 44' 9.442"
124.	Rambhila	N- 20° 37' 9.322"	E- 86° 38' 56.496"
125.	Ranipokhari	N- 20° 41' 10.163"	E- 86° 40' 15.837"
126.	Rata panga	N- 20° 30' 5.537"	E- 86° 44' 23.685"
127.	Resua	N- 20° 34' 4.131"	E- 86° 41' 3.952"
128.	Routa	N- 20° 37' 46.09"	E- 86° 37' 17.13"
129.	Sahupada	N- 20° 38' 34.886"	E- 86° 40' 50.099"
130.	Sananko	N- 20° 40' 31.074"	E- 86° 42' 8.435"
131.	Sanataila	N- 20° 44' 35.531"	E- 86° 41' 21.709"
132.	Sankachit	N- 20° 29' 27.863"	E- 86° 43' 1.641"
133.	Sankh pur	N- 20° 33' 32.367"	E- 86° 41' 55.960"
134.	Sankrurpa	N- 20° 29' 54.808"	E- 86° 39' 39.937"
135.	Sansar phal	N- 20° 33' 43.578"	E- 86° 40' 24.129"
136.	Sasana	N- 20° 30' 40.818"	E- 86° 44' 30.872"
137.	Satagharia	N- 20° 43' 52.219"	E- 86° 40' 33.102"
138.	Satakuria	N- 20° 30' 12.191"	E- 86° 39' 38.807"
139.	Singar pur	N- 20° 33' 27.774"	E- 86° 41' 31.810"
140.	Sriram pur	N- 20° 35' 34.806"	E- 86° 38' 8.568"
141.	Subarna pur	N- 20° 32' 27.529"	E- 86° 42' 3.335"
142.	Suniti (Bena Kandha)	N- 20° 28' 11.686"	E- 86° 43' 34.378"
143.	Tanaladiha	N- 20° 40' 9.499"	E- 86° 44' 2.400"
144.	Tanganataila	N- 20° 36' 9.090"	E- 86° 39' 40.677"
145.	Tantiapal	N- 20° 30' 39.629"	E- 86° 43' 57.060"
146.	Terohi	N- 20° 30' 55.241"	E- 86° 40' 49.847"
147.	Tetalanga	N- 20° 31' 59.344"	E- 86° 39' 0.740"

Annexure III

Proforma of Action Taken Report: - State Level Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of Meetings.
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attached Minutes of the meeting on separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal master Plan including Tourism master Plan (Eco-sensitive Zone wise).
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record. (Eco-sensitive Zone wise).

   Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinized for activities covered under Environment Impact Assessment (EIA) Notifications, 2006 (Eco-sensitive Zone wise).

   Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of case scrutinized for activities not covered under EIA Notification, 2006 (Eco-sensitive Zone wise).

   Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints ledged under Section 19 of Environment (Protection) Act, 1986. (Eco-sensitive Zone wise).
8. Any other matter of importance.

[F.No. 25/4/2014-ESZ/RE]

Dr. G. V. SUBRAHMANYAM, Scientist 'G'

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.